# कुमार जीवन - 58

**अव्यक्त बापदादा :-**

➳ _ ➳ **कुमारों से :-** (1) कुमार अर्थात् तीव्रगति से आगे बढ़ने वाले। **रुकना-चलना, रुकना-चलना ऐसे नहीं। कैसी भी परिस्थितियाँ हों लेकिन स्वयं सदा शक्तिशाली आत्मा समझ आगे बढ़ते चलो।** परिस्थिति वा वायुमण्डल के प्रभाव में आने वाले नहीं, लेकिन अपना श्रेष्ठ प्रभाव दूसरों पर डालने वाले। श्रेष्ठ प्रभाव अर्थात् रूहानी प्रभाव। दूसरा नहीं। ऐसे कुमार हो?

➳ _ ➳ पेपर आवे तो हिलने वाले तो नहीं! पेपर में पास होने वाले हो ना! सदा हिम्मतवान हो ना! जहाँ हिम्मत है वहाँ बाप की मदद है ही। **हिम्मते बच्चे मददे बाप।** हर कार्य में स्वयं को आगे रख औरों को भी शक्तिशाली बनाते चलो। **(25-12-1985)**

---

➢➢ पुरुषार्थ में रुकने के भिन्न भिन्न कारण

➳ _ ➳ परिस्थितियाँ

➳ _ ➳ शारीरिक बीमारी

➳ _ ➳ प्रकृति

➳ _ ➳ परचिन्तन, परदरशन

→ दूसरों को देखकर अलबेला हो जाना

➳ _ ➳ स्वभाव संस्कार की टक्कर

➳ _ ➳ झूठे आरोप लगने पर

➳ _ ➳ गलत बोल बोलने पर

➳ _ ➳ अनुभव न होने पर

➳ _ ➳ उदासी

→ ऐसे व्यक्ति अक्सर ज्यादा सोते हैं

➳ _ ➳ सुविधा न मिलने पर

➳ _ ➳ स्थान बदल जाने पर

➳ _ ➳ Appreciation न मिलने पर

➳ _ ➳ हमें सारा ज्ञान समझ आ गया है

➳ _ ➳ अवज्ञाओ का बोझ

➳ _ ➳ अपवित्रता

→ अगर पवित्रता नहीं है तो

- चाहे जितना भी पुरुषार्थ कर लो...
  - आप वहीँ का वही रहोगे
- पर दुनिया को धोखा जरूर दे सकते हो
  - की हम ब्राह्मण हैं

- _ घूमने फिरने का शौंक
- _ खाने पीने में बुधी अटकना
- _ संग्रह करने की वृत्ति
- _ गिफ्ट लेना देना